Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

किसानों के व्यापक हित में हो गन्ने का बहुआयामी उपयोग

बैठक

किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही की जाएः मुख्यमंत्री

■बाजपुर चीनी मिल परिसर में एथेनॉल प्लांट के लिए अपेक्षित भूमि उपलब्ध है

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने प्रदेश में गन्ना किसानों की आर्थिकी में सुधार के लिए किसानों के व्यापक हित में गन्ने के बहुआयामी उपयोग पर ध्यान देने को कहा है।

मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में बाजपुर चीनी मिल परिसर में प्रस्तावित इथेनॉल प्लांट की स्थापना के संबंध में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश की चीनी मिलों के आधुनिकीकरण, गन्ना उत्पादन के विविधीकरण, ऊर्जा उत्पादन, एथेनॉल उत्पादन पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर चीनी मिलों के संबंध में जो भी कार्यवाही की जानी है उन पर किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाजपुर चीनी मिल परिसर में एथेनॉल प्लांट के लिए अपेक्षित भूमि उपलब्ध है। उन्होंने इस अवसर पर इथेनॉल प्लांट की स्थापना के संबंध में प्राज टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुतीकरण का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने अन्य चीनी मिलों में भी इसकी संभावना तलाशने की बात कही।

चीनी मिलों में चीनी के अलावा सीरा व बगास का भी बेहतर उपयोग हो इस दिशा में भी कार्य योजना बनाई जाए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार नरेंद्र सिंह, प्रबंध निदेशक गन्ना एवं चीनी चंद्रेश यादव, बाजपुर चीनी मिल के जीएम प्रकाश चन्द्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज डायरी

आपदा प्रभावितों को एक्साइपर सामग्री बांटने की मामले की जांच हुई शुरू

संवाददाता पिथौरागढ। सीमांत तहसील मुंसयारी के धापा के आपदा प्रभावितों को बीते गुरूवार को बांटी गई खाद्य सामग्रि में मसाले बांटे गये वे 2019 में ही एक्सपाइर हो चुके थे। अब इस मामले पर क्षेत्र के आपदा प्रभावितों ने क्षेत्र के उपजिलाधिकारी बीएस फोनिया से संबधित क्षेत्र में प्रभावितों को एक्सपाइर हो चुकी सामग्रि बांटने वालों के खिलाफ कड़ी जांच करने की मांग की। उपजिलाधिकारी बीएस फोनिया ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच करने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह मामला खासा गंभीर मामला है। क्षेत्र के आपदा प्रभावितों से खिलवाड़ करने वालों को प्रशासन नही छोड़ेगा। एक सप्ताह के भीतर यह मामला सुलझजाने की उन्होने जानकारी दी है।

उत्तराखंड की नंदप्रयाग नगर पंचायत स्वच्छता में देश में प्रथम

संवाददाता गोपेश्वर (चमोली)। चमोली जिले की नगर पंचायत नंदप्रयाग को देश में स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में पहला स्थान मिला है। इस नगर पंचायत की अध्यक्ष डॉ. हिमानी वैष्णव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अगस्त को देहरादून सचिवालय में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के माध्यम से ऑनलाइन स्वच्छता अवार्ड देकर सम्मानित करेंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. हिमानी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री के ऑनलाइन संबोधन में उन्हें देहरादून एनआइसी में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत सम्मान पत्र देंगे। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में सफाई को लेकर हुए सर्वे में नंदप्रयाग को देश में प्रथम स्थान मिला है। उन्होंने बताया कि इसके लिए ऑनलाइन वोट के माध्यम से सफाई को लेकर सवाल भी पूछे गए थे। पूछे गए 10 सवालों में लोगों ने नंद्रप्रयाग की सफाई व्यवस्था को बेहतर बताते हुए सर्वाधिक वोट दिए।

रियलमी ने रियलमी सी12 एवं सी15 तथा बड्स क्लासिक व रियलमी टीशर्ट लॉन्च किए

संवाददाता देहरादून। दुनिया के सबसे तेजी से विकसित होते हुए स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने अपने एंट्री लेवल वैल्यू स्मार्टफोन, रियलमी सी12 एवं रियलमी सी15 प्रस्तुत किए हैं। इनमें 6000 एमएएच की मेगा बैटरी है। रियलमी ने रियलमी बड्स क्लासिक एवं रियलमी टीशर्ट भी प्रस्तुत कीं, जिससे भारत में लोकप्रिय टेक–लाईफस्टाईल ब्रांड बनने का इसका सपना और ज्यादा मजबूत होगा। नए उत्पादों के लॉन्च पर माधव शेठ, वाईस प्रेसिडेंट, रियलमी एवं चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर, रियलमी इंडिया ने कहा, ''निरंतर आगे बढ़ते हुए सर्वश्रेष्ठ टेक्नॉलॉजी प्रदान करने की अपनी विरासत के साथ हम रियलमी सी12 एवं रियलमी सी15 प्रस्तुत करके उत्साहित हैं।

मांगों को लेकर प्रधान संगठन ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

मनरेगा में कार्य दिवस दुगना करने,मजदूरी 500 रुपये करने की कर रहे हैं मांग

संवाददाता पुरोला। मनरेगा कार्य दिवस दुगना करनें, दैनिक मजदूरी 500 सौ करनें सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रधान संगठन ने मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर खण्ड विकास अधिकारी तेग सिंह रावत के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में प्रधान संगठन ने सरकार से हर घर नल घर घर जल मिशन के अंतर्गत ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करनें, ग्राम पंचायत के माध्यम से कार्य करवाने, साथ साथ मनरेगा के तहत आपदा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा दीवालों का निर्माण करवाने,मनरेगा में 100 सौ दिन कार्य दिवस की जगह 200 दिन करने व मनरेगा में मजदूरी 200 रुपये से बढाकर 500 सौ रुपये करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि जंहा कोरोना वैश्विक महामारी से पहाडों में जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है वही शहरों से लाखों युवा प्राइवेट नौकरी छोड़ गांवों की ओर आये हैं उनको रोजगार से जोड़ने को मनरेगा जैसी योजना लाभदायक है किंतु दैनिक मजदूरी कम होने से कोई भी काम करने को मजदूर तैयार नही हो पा रहा है इसके लिए सरकार को कार्य दिवस बढ़ाकर मजदूरी 200सौ रुपये से बढाकर 500 सौ रुपये करनें व आपदा की दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है लेकिन इसमें सरकार ने सुरक्षा दीवालों निर्माण का प्रावधान समाप्त कर दिया है जो कि गलत है।

वंही अन्य कार्यो में ठेकेदारी प्रथा को समाप्त कर पंचायत के माध्यम से कार्य करवाये जाने की मांग की है।

सीएम के दौरे के बहाने जिले की सड़कों के गडढ़े भरने का काम रहा चर्चाओं मे

संवाददाता पिथौरागढ। जिले में भले ही दो दिन पूर्व मुख्यमंत्री के आने का दौरा टल गया हो। लेकिन इसी बहाने जनपद की सड़कों की दशा एक दो दिन के लिए कुछ हद तक सुधरती हुई जरूर नजर आती दिख रही है। बता दें कि जिले के आंतरिक मार्गो पर पिछले लंबे अर्से से काफी जगह पर गडढे बने हुए थे। जिम्मेदार विभाग द्वारा काफी समय से इन सड़कों की अनदेखी की जा रही थी। वही सीएम के दौरे को लेकर आनन फानन में दो दिन के भीतर जिले की मुख्य चौराहों की सड़कों के गडढ़े भरने में लोक निर्माण विभाग सड़कों को भरते हुए खासा नजर आया। बता दें कि सीमांत जिले की हालत वैसे भी राम भरोसे है। वही जिले में भले ही मुख्यमंत्री का आने का दौरा टल गया हो मगर एक दिन के लिए जिले के विभागों द्वारा दिखाई गई एक दिन की सतर्कता के चलते विभागों ने खासी वाहवाही बटोरी है। जिले में सडकों के गडढों की हालत पर थोड़ी बहुत सुध लिये जाने से लोगों ने राहत की सांस ली है। मुख्यमंत्री का जिले में आने का दौरा भले ही टल गया मगर जिले के वांशिदों का कहना है कि कम से कम जिले के लंबे समय से मौन पड़े विभाग लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले की सड़कों की गडढ़ों की आखिरकार सुध तो ली। वही जिले में यह विषय खूब चर्चाओं में रहा।

धारचूला के जुम्मा में भारी भूस्खलन से घर हुआ ध्वस्त

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ। बीते सोमवार को सीमांत तहसील धारचूला के ग्रम सभा जुम्मा के एकला तोक में भारी भूस्खलन के चलते एक घर जमीदोंज होने के समाचार मिले है। बता दें कि इस घटना के बाद से घर की महिला भागीरथी देवी उम्र 32 साल पत्नी नरसिह का अब तक पता नही चल पाया है। जानकारी के मुताबिक सीमांत में मौसम के लगातार खराब होने के चलते सीमांत में इस घटना की सूचना क्षेत्र के प्रशासन को देर में पता चली। काफी घटों की मशक्कत के बाद क्षेत्र में हुई इस आपदा की सूचना तहसील प्रशासन को मिलने के कुछ घंटों

के बाद तहसील प्रशासन द्वारा रेस्क्यू कार्य शुरू किया गया।

वही सीमांत में छह घंटे तक का वक्त बीतने के बाद भी अब तक लापता महिला कापता नही चल पाया है। क्षेत्रीय प्रशासन से मिली सूचना के मुताबिक आपदा स्थल पर मौसम के खराब होने की वजह से रेस्क्यू कार्य में बांधा होने की वजह से घटना स्थल पर खोजबीन का काम रोक दिया गया है। मौके पर क्षेत्र में बीते सोमवार को राहत

महिला का अब तक नही चला पता

बचाव व खोजबीन में राजस्व पुलिस व एसडीआरएफ एसएसबी व स्थानीय ग्रमीणों ने काफी वक्त तक खोजबीन का कार्य किया। इस दौरान क्षेत्रीय प्रशासन धारख्ला के उपजिलाधिकारी एके शुक्ला व धारचूला के ब्लाक प्रमुख धन सिंह धामी भी मौजूद रहे। धारचूला के उपजिलाधिकारी एके शुक्ला ने बताया कि सोमवार को क्षेत्र में मौसम की खराबी के कारण क्षेत्र में रोके गये रेस्क्यू अभियान को मंगलवार देर सांय तक फिर जारी रखा गया। मगर काफी मशक्कत के बाद महिला का अब तक कुछ भी पता नही चल पाया है।

मौसम विभाग ने पिथौरागढ़, बागेश्वर और चमोली जिलों के लिए जारी किया रेड अलर्ट

संवाददाता देहरादून। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार, आज उत्तराखंड के पिथौरागढ़, बागेश्वर और चमोली जिलों के कुछ स्थानों में भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं–कहीं अत्याधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की संभावना भी जताई है। वहीं, 20 अगस्त को पिथौरागढ़, बागेश्वर, चमोली, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी में आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन ने दुश्वारियां बढ़ा दी हैं। एक सप्ताह से हो रही बारिश के कारण प्रदेश में सौ से ज्यादा सपंर्क मार्ग बंद हैं। टिहरी जिले में गंगोत्री हाईवे पर 31 घंटे बाद यातायात शुरू हो पाया। चमोली में बदरीनाथ और रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी पहाडियां दरकने से सफर चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। हालांकि सोमवार को यहां आवागमन सुचारु रहा। कुमाऊं के पिथौरागढ़ में भी यही स्थिति बनी हुई है। चीन सीमा को जोड़ने वाले मार्ग अब तक नहीं खोले जा सके हैं।